25 march 2017 - # सीवरेज के गड्ढों को निगम ने शुरू किया भरना

सीवरेज की पाइप लाइन डालने के लिए ठेकेदार कंपनी सिंपलेक्स ने मुख्य सड़क को कई जगह से काट दिया है। उनकी मरम्मत नहीं होने से लोगों को गड्ढों से होकर अपनी गाड़ियां चलाने की मजबूरी थी। इसे देखते हुए नगर निगम ने इस काम को सीवरेज के ठेकेदार के बजाय खुद करना शुरू कर दिया है। इसी के तहत गड्ढों को कांक्रीट से भरकर उसके ऊपर डामरीकरण किया जा रहा है।

शहर में सीवरेज का काम फिर तेजी से चल रहा है। ऐसे में मुख्य सड़कों पर जगह-जगह गड्ढे हो गए हैं। इस बार सड़क के एक ओर की पाइप लाइन से दूसरी ओर की पाइप लाइन को जोड़ने के लिए सड़क को तिरछा काट दिया गया है। इसे सीवरेज के ठेकेदार ने मिट्टी और रेत से भरकर छोड़ रखा है। गाड़ियां चलने के कारण इन जगहों में गड्ढे हो गए हैं। ठेकेदार को कई बार वहां पक्का निर्माण करने की चेतावनी दी गई, लेकिन उसका कोई असर नहीं हुआ। ऐसे में नगर निगम ने अब खुद सभी जगह गड्ढों को भरना शुरू कर दिया है। जमीन बैठने की आशंका को देखते हुए पहले गड्ढों को कांक्रीट से भरा जा रहा है। इसके बाद उसके ऊपर डामरीकरण का कोड किया जा रहा है। इससे लोगों को बड़ी राहत मिल रही है, क्योंकि सबसे ज्यादा परेशानी सड़क के इन्हीं गडढों से हो रही थी।

श्रीकांत वर्मा मार्ग से शुरू हुआ काम

नगर निगम ने सड़कों में गड्ढा भरने का काम श्रीकांत वर्मा मार्ग से शुरू किया है। इसके अलावा वर्तमान में लिंक रोड, टिकरापारा, दयालबंद समेत कई जगहों पर भी काम शुरू कर दिया गया है।

सीवरेज की खुदाई के कारण कई सड़कों पर गड्ढे हो गए थे। जिसे अब हमने भरना शुरू कर दिया है। जल्द ही पूरे शहर की सड़कों को ठीक कर लिया जाएगा। इसके अलावा नई सड़कों का निर्माण भी जल्द शुरू होने वाला है।

किशोर राय

महापौर, नगर निगम

24 march 2017 # स्मार्ट सिटी के लिए 3 हजार 977 करोड़ का प्रस्ताव पास

शहर को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए नगर निगम ने 3 हजार 977 करोड़ का प्रस्ताव शासन की हाईपावर कमेटी के समक्ष रखा था। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में प्रस्ताव को बिना कांटछांट के पास कर दिया है। अब इसे केंद्र सरकार को अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा।

नगर निगम ने फिर एक बार शहर को स्मार्ट सिटी बनाने की योजना बना ली है। इस बार भी पुराने प्रस्ताव में ही कुछ कांटछांट करके उसे हाईपावर कमेटी के समक्ष रखा गया था। मुख्य सचिव विवेक ढांड, वित्त सचिव, नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव, पीडब्ल्यूडी के ईएनसी आदि बैठक में शामिल थे। इसमें नगर निगम की स्मार्ट सिटी के प्रस्ताव पर चर्चा की गई। आला अधिकारियों ने तैयार योजना की तारीफ करते हुए उसे बिना किसी कांटछांट के पास कर दिया है। अब इस प्रस्ताव को अनुमोदन के लिए दिल्ली मिनिस्ट्री ऑफ अर्बन एडमिनिस्ट्रेशन भेजा जाएगा। जहां उम्मीद की जा रही है कि एक माह के अंदर में निर्णय आ जाएगा। मालूम हो कि इस बार प्रदेश के रायपुर और बिलासपुर दो शहर प्रतियोगिता में शामिल हैं। पुराना रायपुर पहले ही चयनित हो चुका है। अब बिलासपुर की प्रतियोगिता नया रायपुर से है। कहा जा रहा है कि प्रदेश को दो शहरों का कोटा मिला था। इसमें एक शहर का चयन पहले ही हो चुका है। अब दूसरे शहर के लिए प्रतियोगिता है।

इस बार उम्मीद नहीं

स्मार्ट सिटी के लिए बिलासपुर की प्रतियोगिता इस बार नया रायपुर से है। नया रायपुर पहले ही व्यस्थित शहर है। जबकि उसकी तुलना में बिलासपुर काफी पीछे है। ऐसे में बिलासपुर का प्रतियोगिता में टिकना मुश्किल माना जा रहा है। यही कारण है कि निगम के अधिकारियों ने भी स्मार्ट सिटी का प्लान बनाने में ज्यादा रुचि नहीं दिखाई और पिछले प्रस्ताव में ही आंशिक संशोधन करके उसे हाईपावर कमेटी के समक्ष रख दिया।

वित्तीय जानकारी अब तक नहीं बताई

नगर निगम ने स्मार्ट सिटी का जो प्रस्ताव तैयार किया है उसकी वित्तीय जानकारी अब तक किसी को नहीं बताई गई है। सामान्य सभा में भी जो प्रस्ताव रखा गया है उसमें भी प्रोजेक्ट की लागत छिपा दी गई है। हाईपावर कमेटी के समक्ष जो प्रस्ताव रखा गया है उसमें प्रोजेक्ट लागत का खुलासा हुआ है।

स्मार्ट सिटी का प्लान हाईपावर कमेटी के समक्ष रखा गया था जिसे बिना किसी कांटछांट के पास कर दिया गया है। अब इसे दिल्ली मिनिस्ट्री ऑफ अर्बन एडमिनिस्ट्रेशन को भेजा जाएगा। वहां से एक माह के अंदर स्मार्ट सिटी का रिजल्ट आने की उम्मीद है।

17 march 2017 # अवैध निर्माण, निगम ने शुरू की तोड़फोड़

बिलासपुर। नईदुनिया प्रतिनिधि

नगर निगम ने जगमल चौक के पास टिकरापारा मोड़ में बनी अवैध दुकानों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। एक दुकान में तोड़फोड़ शुरू की गई तो दूसरे को सील कर दिया गया है।

निगम के अतिक्रमण अमले ने जगमल चौक के पास कार्रवाई की। यहां मोहनदास ने सरकारी जगह पर दुकान का निर्माण कर लिया है। उस पर तोड़फोड़ की कार्रवाई हुई है। निगम यहां दुकान को आधा तोड़ दिया है। वहीं बगल में मौजूद केशव विश्वकर्मा की दुकान को सील किया गया है। निगम से पहले ही इन दुकानदारों को नोटिस जारी हो चुका था। चेतावनी के बाद भी अपना कब्जा नहीं छोड़ने पर उसके खिलाफ कार्रवाई की गई है। जगमल चौक से टिकरापारा मोड़ के पास बेजाकब्जा के कारण सड़क संकरी हो गई है। क्योंकि चौक में ही अवैध दुकान बन जाने के कारण सड़क के लिए जगह नहीं बची है। इसे देखते हुए निगम अभियान चलाया जा रहा है। इससे सड़क के लिए ज्यादा जगह निकाली जा सके। यहां शिव टॉकीज चौक से लेकर जलाराम मंदिर तक सड़क चौड़ी है। इसके बाद आगे सड़क संकरी होनी शुरू हो गई है। अब चौक की जगह पर बेजाकब्जा हटना शुरू होने से इस सड़क के चौड़ीकरण की भी चर्चा है।

टिकरापारा चौक के पास एक दुकान में तोड़फोड़ की गई है। वहीं दूसरी दुकान को सील कर दिया गया है। आने वाले दिनों में भी यहां कार्रवाई की जाएगी।

प्रमिल शर्मा

प्रभारी, अतिक्रमण शाखा

नगर निगम

चिंगराजपारा में 55 झुग्गी पर चला निगम का एक्सीवेटर

14 march 2017 नगर निगम ने चिंगराजपारा में स्लम हटाओ अभियान के तहत 240 लोगों को नोटिस जारी किया है। इसमें से 55 मकानों को तोड़कर वहां रहने वाले परिवारों को सरकारी मकानों में शिफ्ट किया गया है। शेष बचे लोगों को भी जल्द नए मकानों में शिफ्ट होने के लिए समझाइश दी गई है।

नगर निगम की ओर से रिकांडो बस्ती में बने आईएचएसडीपी योजना के मकानों में चिंगराजपारा के बेजा कब्जाधारियों को शिफ्ट किया जा रहा है। इस काम में अपेक्षित गति नहीं होने पर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई। इसे देखते हुए निगम के इंजीनियर फिर चिंगराजपारा पहुंचे और उन लोगों को समझाइश दी जिन्हें पूर्व में नोटिस जारी किया गया था। उन्हें कहा गया है कि जल्द से जल्द वे सरकारी मकानों में शिफ्ट हो अन्यथा मकान भी टूटेगा और नए मकान भी नहीं मिलेंगे। इस बार उन्हें अधिकारियों ने कड़ी चेतावनी दी है। इसके बाद शाम को दो मकानों में रहने वाले परिवारों को आईएचएसडीपी के मकानों में शिफ्ट किया गया है। इसी तरह लगभग रोज एक या दो परिवार ही शिफ्ट हो रहे हैं। इस बार बड़ा अभियान चलाकर उनके कब्जे वाली जगह को खाली कराने की तैयारी है।

रिकांडो बस्ती में आईएचएसडीपी योजना के मकान तैयार हो चुके हैं। इसका आवंटन भी कर दिया है। चिंगराजपारा में रहने वालों को यहां बसाया जाना है। लोगों को समझाइश देकर शिफ्ट कराया जा रहा है। इसके लिए जल्द ही अभियान चलाया जाएगा।

पीके पंचायती

कार्यपालन अभियंता, नगर निगम

12march 2017 स्मार्ट सिटी बना तो सीएनजी में तब्दील होंगी ऑटो

स्मार्ट सिटी के लिए नगर निगम द्वारा पूर्व में बनाई गई कार्ययोजना में आंशिक बदलाव किया गया है। इसके तहत अब शहर में चलने वाली ऑटो को डीजल,पेट्रोल के बजाय सीएनजी से चलाने की तैयारी है। इसके लिए चरणबद्ध तरीके से बदलाव किया जाएगा। इसी तरह नूतन चौक वाली जगह में व्यावसायिक कांपलेक्स के अलावा खेल मैदान और उद्यान भी बनाना प्रस्तावित किया गया है।

नगर निगम में एक बार फिर स्मार्ट सिटी का प्रस्ताव बनाना शुरू हो गया है। इसमें पिछले प्लान को ही केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। इसमें कुछ आंशिक संशोधन किया जा रहा है। इसमें मुख्य परिवर्तन ऑटो को सीएनजी में बदलना है। निगम के सर्वे में प्रदूषण का मुख्य कारण डीजल और पेट्रोल ऑटो को बताया गया है। यही कारण है कि पर्यावरण को ठीक रखने के लिए शहर में चलने वाली ऑटो को प्रदूषण रहित किया जाएगा। जो आटो चालक चालक ऐसा नहीं करेंगे वे शहर से बाहर हो जाएंगी। इसी तरह शहर की मुख्य जगह नूतन चौक में पहले कांपलेक्स और गरीबों का घर बनाना प्रस्तावित किया गया था। अब इसमें आंशिक संशोधन करते हुए इसके अलावा खेल मैदान और उद्यान बनाना भी प्रस्तावित किया जा रहा है। जिससे लोगों को मनोरंजन का साधन मिल सके। इसी तरह इस संशोधन के संदर्भ में स्थानीय अधिकारियों को भी जानकारी देकर उनसे राय मांगी गई है। वर्तमान में पुरानी कार्ययोजना को नया रूप देने की कोशिश हो रही है।

10 march 2017 स्मृति वन में बनेगा पहला सरकारी वाटर पार्क

नगर निगम स्मृति वन में शहर का पहला सरकारी वाटर पार्क बनाने का निर्णय लिया है। इसका संचालन पीपीपी मॉडल से किया जाएगा। इस महत्वाकांक्षी प्रस्ताव को आने वाले बजट में शामिल करने की तैयारी है। इसे मूर्तरूप देने के लिए सिंचाई विभाग के विशेषज्ञों की भी सेवाएं लेने की तैयारी है।

गर्मी आते ही शहर के आसपास मौजूद वाटर पार्क में बच्चों और आम लोगों की भीड़ बढ़ जाती है। शहर के अंदर कहीं भी वाटर पार्क मौजूद नहीं है। इसे देखते हुए नगर निगम अरपा पार स्मृति वन में मौजूद जगह का उपयोग वाटर पार्क बनाने के लिए करने जा रहा है। अरपा नदी का किनारा होने के कारण यहां वैसे ही जल स्तर काफी ऊंचा है ताकि वाटर पार्क को जरूरत के मुताबिक पानी मिलता रहेगा। इसके अलावा स्मृति वन में उद्यान के अलावा भी काफी खाली जगह मौजूद है। इसका उपयोग नगर निगम नहीं कर पा रहा है। वाटर पार्क बनने से यहां का उद्यान भी गुलजार हो जाएगा और निगम को भी मोटी रकम आय के रूप में मिलने लगेगी। वाटर पार्क तैयार करने और उसका रखरखाव का काम पीपीपी मॉडल में किया जाएगा। निगम इसके लिए निजी कंपनी या व्यवसायी को आमंत्रित करेगा जो निगम के साथ संयुक्त उपक्रम के रूप में काम करेगा। इससे होने वाली आय का एक हिस्सा निगम को भी मिलेगा। जिससे अतिरिक्त आय भी मिलेगी और शहर के लोगों को शहर के अंदर एक मनोरंजन का साधन भी मुहैया हो जाएगा। मालूम हो कि वाटर पार्क में केवल ठंड के दो माह में ही ग्राहकों की संख्या कम रहती है। इसके अलावा अब यह सालभर चलने वाला व्यवसाय हो गया है।

तालाब में पानी रोकने करेंगे जतन

वर्तमान में स्मृति वन के अंदर एक तालाब बना हुआ है। जिसे लगातार पंप से भरने के बावजूद यह जल्द ही सूख जाता है। तालाब का पानी रिसकर नदी में चला जाता है। निगम अब इस तालाब का भी ट्रीटमेट कराने जा रहा है। सिंचाई विभाग के इंजीनियरों को इस काम में अपने सुझाव और पानी रोकने के उपाय करने के लिए कहा जाएगा। इससे बार-बार तालाब को भरने की जरूरत न पड़े।

गार्डन और खेल पार्क भी होगा विकसित

नगर निगम स्मृति वन के पास मौजूद अपनी 70 एकड़ जमीन का चरणबद्ध विकास करने की तैयारी में है। इसी क्रम में वाटर पार्क से शुरुआत की जा रही है। इसके बाद शेष बचे हिस्से में से एक में बच्चों का खेल पार्क और मौजूदा गार्डन को और विकसित करने की तैयारी है।

स्मृति वन में निगम की काफी जमीन मौजूद है। इसका पूरा उपयोग करने की योजना बन रही है। यहां वाटर पार्क भी प्रस्तावित किया जाएगा। इससे शहर के अंदर लोगों को एक अच्छी सुविधा मिल सके। बजट में इस प्रस्ताव को जगह दी जा सकती है।

किशोर राय

महापौर, नगर निगम

5 march 2017 डामरीकरण के बाद अब कांक्रीट रोड से भी निगम के ठेकेदार बाहर

नगर निगम प्रशासन ने डामरीकरण के बाद अब कांक्रीट रोड के काम में भी छोटे ठेकेदारों को बाहर कर दिया है। उनसे बचने के लिए कई कार्यों को मिलाकर पांच समूह बनाए गए हैं। इसमें प्रत्येक टेंडर 5 करोड़ रुपए से अधिक का है। इससे बड़े ठेकेदार ही निविदा में भाग ले पाएंगे।

नगर निगम ने शहर में नई कांक्रीट रोड निर्माण, मरम्मत, नाली निर्माण आदि के 562 कार्य के लिए 29.82 करोड़ रुपए स्वीकृत किया है। निगम ने इसके लिए पांच करोड़ से अधिक के पांच टेंडर लगाए हैं। जिससे छोटे ठेकेदार प्रतियोगिता में शामिल ही नहीं हो पाएंगे। नगरीय प्रशासन मंत्री अमर अग्रवाल ने भी अधिकारियों को इस बार किसी बड़े ठेकेदार से गुणवत्तायुक्त काम कराने के लिए कहा है। इसके तहत निगम अब ग्रुप बनाकर काम करा रहा है। बड़ी राशि का काम होने के कारण टेंडर लगाने के बाद स्वीकृति के लिए शासन को भी प्रस्ताव भेज दिया है। पहले उम्मीद की जा रही थी कि डामरीकरण कार्य से छोटे ठेकेदारों को बाहर करने के बाद कांक्रीट रोड में निगम के ठेकेदारों को मौका दिया जाएगा। अब उन्हें इस काम से भी बाहर कर दिया गया है। मालूम हो कि सीवरेज की खुदाई के कारण पूरे शहर के मुख्य मार्ग के अलावा गलियों की स्थिति भी खराब है। सड़कों पर गड्ढे हो गए हैं। डामरीकरण और कांक्रीट का काम शुरू होने के बाद सड़क नाली को लेकर समस्या नहीं होने की बात कही जा रही है।

तीन साल होगी सड़क की गारंटी

कांक्रीट रोड की पहले परफार्मेंस गारंटी 1 साल की होती थी। निगम ने इसे बढ़ाने का प्रस्ताव राज्य शासन को भेजा था। इस पर गारंटी 3 साल करने की अनुमति मिल गई है। इस तरह अब जो नया टेंडर लग रहा है वह नए नियम के अनुसार जारी हो रहा है। अगर तय समय के अंदर कोई सड़क खराब होती है तो उसकी मरम्मत ठेकेदार ही करेगा।

इस तरह होगा काम

वार्ड क्रमांक 1 से 7 514.44 लाख

वार्ड क्रमांक 8 से 14 630.04 लाख

वार्ड क्रमांक 15 से 28 542.96 लाख

वार्ड क्रमांक 29 से 44 573.33 लाख

वार्ड क्रमांक 45 से 59 720.93 लाख

मुख्य सड़कों का डामरीकरण होगा। इसके अलावा पूरे शहर के मोहल्ले और गलियों को ठीक करने के लिए 562 काम कराए जाएंगे। इसके लिए पांच टेंडर जारी किए गए हैं। इन कार्यों के पूरा होने के बाद शहर में सड़क और नाली को लेकर जो भी दिक्कत है वह खत्म हो जाएगी।

सुधीर गुप्ता

अधीक्षण अभियंता, नगर निगम

3 march 2017

निगम बजट की तैयारी शुरू

नगर निगम महापौर किशोर राय ने निगम अधिकारियों की बैठक लेकर बजट के संदर्भ में चर्चा की है। उन्होंने सभी को नई योजना प्रस्तावित करने और आय-व्यय का ब्योरा देने कहा है। 31 मार्च से पहले निगम का बजट पेश करने की तैयारी शुरू हो गई है।

निगम अध्यक्ष अशोक विधानी ने पहले ही सामान्य सभा के लिए आयुक्त और महापौर को पत्र लिख दिया है। अब बजट की बैठक और सामान्य सभा एक साथ आयोजित करने की तैयारी है। इसके लिए महापौर किशोर राय ने दोपहर 12 बजे अधिकारियों की बैठक ली। जिसमें उन्हें जनहित की नई योजना प्रस्तावित करने के लिए कहा है। इसी तरह अन्य अधिकारियों को आय-व्यय का ब्योरा देने के लिए कहा गया है।